राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 08 | जौनपुर | गुरूवार, 21 अगस्त 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

कर्नाटक में भारी बारिश से कृष्णा नदी बेसिन में बाढ़ का खतरा

कर्नाटक , (एजेंसी)। कृष्णा नदी बेसिन के आसपास लगातार हो रही बारिश के कारण क्षेत्र में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है, जिससे अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन को अलर्ट जारी करना पड़ा है। दोनों जिला प्रशासनों ने देखभाल केंद्र स्थापित किए हैं और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया है। अलमट्टी बाँध से 2.5 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। कृष्णा भाग्य जल निगम लिमिटेड, अलमट्टी बाँध के सूत्रों ने बताया कि बुधवार शाम 6 बजे पानी का औसत प्रवाह 1.6 लाख क्यूसेक था और वर्तमान बहिर्वाह 2.5 लाख क्यूसेक था। अधिकारियों के अनुसार, महाराष्ट्र से भारी मात्रा में पानी आने के कारण कृष्णा नदी का जलस्तर बढ़ गया है, जिससे बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि लगातार बारिश और महाराष्ट्र से भारी पानी आने के कारण बसवा सागर जलाशय, जिसे नारायणपुर बांध भी कहा जाता है, के सभी 30 गेट खोल दिए गए हैं। अधिकारियों ने बसवा सागर जलाशय से 1.60 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा है, जिससे सड़क संपर्क बाधित हो गया है और शीलहल्ली पुल डूब गया है। शीलहल्ली हंचिनाल पुल भी डूब गया है, जिससे कद्दारागड्डी, यारिगोडी और हंचिनाल जैसे गाँवों का संपर्क टूट गया है। कृष्णा नदी के साथ–साथ भीमा नदी भी भारी बारिश के कारण खतरे के निशान के पास बह रही है। इसके अलावा, मलप्रभा नदी बेसिन में भी भारी बारिश हुई है, जिससे स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (प्डक्) के अनुसार, अगले सात दिनों तक पूरे कर्नाटक में, खासकर तटीय और उत्तरी आंतरिक जिलों में, व्यापक बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि 26 अगस्त को दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिलों में भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा, बीदर, कलबुर्गी और यादगीर में भी गरज के साथ बारिश और तेज हवाएँ चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने बेंगलुरु में अगले 48 घंटों तक बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश की भविष्यवाणी की है।

कल्याण सिंह की चतुर्थ पुण्यतिथि पर हिंदू गौरव दिवस मनाया : सीएम योगी

अलीगढ़, (संवाददाता)। यूपी के पूर्व सीएम कल्याण सिंह की चतुर्थ पुण्यतिथि पर हिंदू गौरव दिवस मनाया जा रहा है। अलीगढ़ के तालानगरी स्थित मैदान में कार्यक्रम चल रहा है। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ कार्यक्रम में पहुंच गए हैं। साथ में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, केशव प्रसाद मौर्य, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, उमा भारती आदि मौजूद हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि बाबूजी कल्याण सिंह के दिखाए हुए रास्ते पर हमें राजवीर सिंह राजू भैया के साथ चलना है। उनको शत–शत नमन है। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा कि बाबूजी ने सनातन धर्म की पताका को सबसे ऊंचा फहराया है। बाबूजी ने अपनी सीएम की कुर्सी को छोड़कर राम मंदिर की ओर कूच किया था। आज यहां पर मौजूद जनता उनके प्रति सम्मान को दिखाता है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हम सब संकल्प लेते हैं कि सपा की साईकिल को उखाड़ फैंकना है। उमा भारती ने कहा कि अखिलेश यादव ने कहा कि नाम में क्या रखा है, उनकी मानसिकता ही गुलामी की है, वो नाम का क्या मतलब जाने। नाम की महिमा वही समझेगा जिसकी मानसिकता राष्ट्रीयता की हो। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने बाबूजी कल्याण सिंह को नमन के साथ अपना संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि बाबूजी ने अपने आदर्शों की छाप सभी पर छोड़ी है। जब बाबूजी स्वास्थ्य मंत्री रहे, तब स्वास्थ्य सेवाएं कैसी होनी चाहिए, यह करके उन्होंने दिखाया। बाबूजी जो बोले थे वह आज भी याद है, उन्होंने कहा था कि ढांचा के गिराने की जिम्मेदारी मैं ले रहा हूं। यूपी में पिछले साढ़े आठ साल में पीएम मोदी के नेतृत्व में बाबूजी की आधारशिला पर डबल इंजन की सरकार चल रही है।

अगर निर्वाचित हुए तो निष्पक्षता के साथ निभाऊंगा उपराष्ट्रपति पद की भूमिका

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी ने गुरुवार को कांग्रेस के शीर्ष नेताओं मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी की उपस्थिति में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने के बाद उन्होंने अहम टिप्पणी भी की। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि अगर वे उपराष्ट्रपति निर्वाचित किए जाते हैं तो क्या करेंगे। नामांकन दाखिल करने के बाद बी. सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि यह चुनाव महज एक व्यक्ति के बारे में नहीं है, बल्कि भारत के उस विचार की पुष्टि के बारे में है जहां संसद ईमानदारी से काम करती है। जहां असहमति का भी सम्मान किया जाता है और संस्थाएं स्वतंत्रता और निष्पक्षता के साथ लोगों की सेवा करती हैं। रेड्डी ने कहा कि आज मुझे विपक्षी दलों के संयुक्त उम्मीदवार के रूप में भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल करने का सम्मान मिला। मैंने यह काम विनम्रता, जिम्मेदारी और हमारे संविधान में निहित मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की गहरी भावना के साथ किया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल एक व्यक्ति के बारे में नहीं है। यह हमारे संस्थापकों द्वारा परिकल्पित भारत के विचार की पुष्टि करने के बारे में है।

संसद के अंदर और बाहर सांसदों की भाषा गरिमामय होनी चाहिए : बिरला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के आखिरी दिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राजनीतिक दलों से अपने बर्ताव पर नियंत्रण रखने का आह्वान किया। बिरला ने कहा कि संसद के अंदर और बाहर सांसदों की भाषा गरिमामय होनी चाहिए। लोकसभा स्पीकर ने सांसदों को लताड़ लगाते हुए कहा कि सदन में विपक्ष का आचरण लोकतंत्र के मूल्यों के अनुरूप नहीं रहा। ये संसद की गरिमा के अनुसार नहीं है। देश की जनता देख रही है कि किस तरह से अहम मुद्दों पर चर्चा को बाधित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस सत्र में 419 सवाल किए गए, जिसमें से सिर्फ 55 के मौखिक उत्तर दिए जा सके। पूरे सत्र के दौरान चर्चा का समय 120 घंटे निर्धारित किया गया था, लेकिन 37 घंटे ही चर्चा हो सकी। लोकसभा में 12 विधेयक पारित हुए। इससे पहले गुरुवार को सुबह 11 बजे शुरू हुई लोकसभा की कार्यवाही तुरंत ही स्थगित कर दी गई। इसके बाद सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे फिर शुरू हुई, जिसमें ओम बिरला ने इस बात पर खेद व्यक्त किया कि पूरे सत्र के दौरान बार–बार कार्यवाही बाधित करने के प्रयास किए गए। उन्होंने कहा कि यह सभी के लिए आत्मचिंतन का समय है, क्योंकि महीने भर चले सत्र के दौरान ज्यादा चर्चा नहीं हो सकी।

दिसंबर में इसरो लॉन्च करेगा पहला गगनयान परीक्षण मिशन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में मंगलवार को भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और इसरो प्रमुख वी. नारायण ने एक साथ मीडिया से बात की। इस दौरान शुभांशु ने गगनयान मिशन पर कहा कि जल्द ही भारत अपने रॉकेट और कैप्सूल से अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजेगा। उन्होंने यह भी बताया कि इसरो दिसंबर तक पहला गगनयान परीक्षण मिशन लॉन्च करेगा। उन्होंने अपनी ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा का अनुभव भी साझा किया। उन्होंने बताया कि 20 दिन अंतरिक्ष में बिताने के बाद शरीर गुरुत्वाकर्षण भूल जाता है और जमीन पर वापसी पर उसे दोबारा ढलना पड़ता है। इसके साथ ही उन्होंने एक्सिओम मिशन के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि इसके तहत वे दो हफ्तों तक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में रहे। इस दौरान वे मिशन पायलट और कमांडर के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे थे। शुक्ला ने मीडिया से बातचीत में कहा इस मिशन को संभव बनाने वाले सभी लोगों का धन्यवाद करता हूं। उन्होंने बताया कि आईएसएस पर रहते हुए कई प्रयोग किए गए और पृथ्वी व अंतरिक्ष से जुड़ी तस्वीरें भी ली गईं। उन्होंने कहा कि इसके लिए लंबी ट्रेनिंग ली गई थी और यह अनुभव उनके जीवन का सबसे अलग और यादगार रहा। शुभांशु शुक्ला ने आगे भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि यह इसरो का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है, जिसके तहत 2027 में भारतीय वायुसेना के तीन पायलटों को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। ये पायलट 400 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी की कक्षा में तीन दिन रहेंगे और इसके बाद हिंद महासागर में सुरक्षित लैंडिंग कराई जाएगी। मिशन की कुल लागत लगभग 20,193 करोड़ रुपए है। शुक्ला ने कहा कि गगनयान की तैयारी के लिए पहले दो खाली टेस्ट फ्लाइट भेजी जाएंगी, इसके बाद एक फ्लाइट में रोबोट भेजा जाएगा। जब यह सब सफल हो जाएगा, तब इंसानों को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। वहीं, अपनी बात कहते हुए आखिरी में उन्होंने ये भी कहा कि भारत आज भी अंतरिक्ष से सारे जहां से अच्छा लगता है।

कांग्रेस के युवा नेताओं से घबरा गए हैं राहुल गांधी : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। गुरुवार को लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद, अध्यक्ष ओम बिरला ने अपने कक्ष में एक अनौपचारिक चाय पार्टी का आयोजन किया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वरिष्ठ मंत्री अमित शाह और राजनाथ सिंह, तथा एनडीए के सहयोगी दलों के सदन के नेता शामिल हुए। पिछले सत्र की तरह, विपक्ष के नेताओं ने इस बैठक से दूर रहने का फैसला किया, जिससे एक बार फिर उनकी अनुपस्थिति दर्ज की गई। सूत्रों के अनुसार, पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि विपक्ष, खासकर कांग्रेस में, कई युवा नेता बेहद प्रतिभाशाली हैं, लेकिन पारिवारिक असुरक्षा के कारण उन्हें बोलने का मौका नहीं मिलता। सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी ने आगे कहा कि ऐसे युवा नेताओं की मौजूदगी से राहुल गांधी असुरक्षित और घबराए हुए महसूस कर रहे होंगे। उपस्थित लोगों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने सत्र को एक उत्पादक सत्र बताया और कहा कि कई महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए गए। इनमें से, उन्होंने ऑनलाइन गेमिंग विधेयक पर विशेष जोर दिया और इसके दूरगामी परिणामों और नागरिकों के जीवन पर इसके प्रत्यक्ष प्रभाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे मुद्दों पर वर्तमान में जितनी गंभीरता से राजनीतिक चर्चा होती है, उससे कहीं अधिक गंभीरता से विचार–विमर्श की आवश्यकता है। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री ने प्रमुख विधेयकों पर बहस से दूर रहने के लिए विपक्ष की आलोचना की।

लेटरल एंट्री नियुक्तियों में लागू नहीं होता आरक्षण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लेटरल एंट्री नियुक्तियों को लेकर सरकार की ओर से अहम जानकारी साझा की गई है। सरकार ने बताया कि लेटरल एंट्री के माध्यम से की जाने वाली नियुक्तियों में आरक्षण लागू नहीं होता है। यह जानकारी गुरुवार को सरकार ने राज्यसभा में दी। सरकारी विभागों में निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों की नियुक्तियों को लेटरल एंट्री कहा जाता है। सरकार की ओर से दिए गए जवाब में कहा गया है कि अभी तक लेटरल एंट्री के जरिए 63 भर्तियां की गई हैं। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक लिखित उत्तर में बताया, 2018 से अब तक तीन चक्रों (2018, 2021 और 2023) में लेटरल एंट्री के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों में अनुबंध/प्रतिनियुक्ति के आधार पर संयुक्त सचिव/ निदेशक/उप सचिव स्तर पर 63 नियुक्तियां की गई हैं। उन्होंने कहा कि ये नियुक्तियां विशिष्ट कार्यों के लिए संबंधित क्षेत्र में उनके विशिष्ट ज्ञान और विशेषज्ञता को ध्यान में रखते हुए की गई हैं। मंत्री ने कहा, चूंकि ये सभी नियुक्तियां एकल पद संवर्ग के अंतर्गत की गई हैं, इसलिए पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ बनाम फैकल्टी एसोसिएशन एवं अन्यश मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के मद्देनजर आरक्षण लागू नहीं होता है और तदनुसार नियुक्त अधिकारियों का श्रेणीवार डेटा नहीं रखा गया है। जितेंद्र सिंह ने कहा कि वर्तमान में, विभिन्न मंत्रालयोंध विभागों में 43 अधिकारी कार्यरत हैं। मंत्री पिछले पांच वर्षों में केंद्र सरकार में लेटरल एंट्री के माध्यम से अधिकारियों की भर्ती का विवरण और क्या इस भर्ती में आरक्षण पैटर्न का पालन किया गया है? जैसे सवालों का जवाब दे रहे थे। बता दें कि राजनीतिक विवाद के बाद, संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने पिछले साल अगस्त में सरकारी विभागों में लेटरल एंट्री के माध्यम से प्रमुख पदों को भरने के अपने विज्ञापन को रद्द कर दिया था।

संविधान संशोधन विधेयक गैर–भाजपा सरकारों को निशाना बनाएगा : मुख्यमंत्री

केरल, (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने बुधवार को आरोप लगाया कि लोकसभा में पेश किया गया 130वां संविधान संशोधन विधेयक देश में गैर–भाजपा सरकारों को निशाना बनाने की सत्तारूढ़ पार्टी की नई रणनीति है। यहां एक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि संघ परिवार की इस नई कोशिश को देश में गैर–भाजपा सरकारों को अस्थिर करने के मकसद से केंद्र सरकार द्वारा लिए जा रहे राजनीतिक निर्णय के रूप में देखा जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''यह बदले की राजनीति है और केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर राजनीतिक विरोधियों को फंसाने की कोशिश है।'' उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पहले ही केंद्रीय एजेंसियों को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर राज्य सरकारों को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। विजयन ने कहा, ''इसके तहत विपक्षी दलों के मुख्यमंत्रियों और देश में संवैधानिक जिम्मेदारियां संभालने वाले विपक्षी दलों के नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है।'' विजयन ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी 'नव–फासीवादी' राजनीति का एक नया प्रयोग कर रही है, जिसके तहत विपक्षियों को झूठे मामलों में फंसाना और फिर इन मामलों के आधार पर उन्हें अयोग्य घोषित करना मुख्य मकसद है। उन्होंने कहा कि भाजपा को इस विचार के पीछे के अजीब तर्क को भी स्पष्ट करना चाहिए कि भ्रष्टाचार के मामलों में गिरफ्तार लोग अगर पार्टी बदलकर भाजपा में शामिल हो जाएं तो वे संत बन जाते हैं।

राधाकृष्णन की उम्मीदवारी पर उठाए थे सवाल : संजय राउत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव को लेकर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट ने गुरुवार को बड़ा दावा किया है। पार्टी सांसद संजय राउत ने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर भाजपा नेताओं ने उद्धव ठाकरे से संपर्क साधा है। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ठाकरे को फोन कर एनडीए उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन के समर्थन की अपील की। राउत ने कहा कि राजनाथ सिंह और देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे से बात की और राधाकृष्णन के पक्ष में वोट देने का अनुरोध किया। यह उनका काम है, वे और दलों से भी बात कर रहे होंगे। इससे पहले शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के नेता संजय राउत ने बुधवार को कहा था कि उपराष्ट्रपति चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले एनडीए को अपनी संख्याबल पर भरोसा नहीं है। इसी कारण एनडीए के नेता विपक्षी दलों से समर्थन मांग रहे हैं। राउत ने सवाल उठाया कि जब बहुमत आपके पास है, तो विपक्ष से समर्थन की जरूरत क्यों पड़ रही है। संजय राउत ने भाजपा के उम्मीदवार और पूर्व राज्यपाल राधाकृष्णन पर भी निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि जब राधाकृष्णन झारखंड के राज्यपाल थे, तब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राजभवन से ही गिरफ्तार किया था। राउत के अनुसार यह पूरी कार्रवाई संवैधानिक परंपराओं के खिलाफ थी। उन्होंने आरोप लगाया कि राधाकृष्णन ने उस वक्त ईडी अधिकारियों को नहीं रोका और न ही संवैधानिक दायरे में अपनी भूमिका निभाई। एनडीए ने तमिलनाडु के वरिष्ठ भाजपा नेता और मौजूदा महाराष्ट्र राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया है। वहीं विपक्षी इंडिया गठबंधन ने पूर्व सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को मैदान में उतारा है।

संसद में विपक्ष के हंगामे के बीच मानसून सत्र में पास हुए अहम विधेयक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसद का मानसून सत्र गुरुवार को समाप्त हो गया। इस दौरान लगातार हंगामा, कार्यवाही स्थगन और विपक्ष के वॉकआउट देखने को मिले। इसके बावजूद लोकसभा ने 12 और राज्यसभा ने 15 विधेयक पास किए। खास बात यह रही कि लगभग हर दिन विपक्ष के विरोध और मांगों के कारण सदन की कार्यवाही प्रभावित हुई। विपक्ष ने 'ऑपरेशन सिंदूर' और बिहार की विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया पर चर्चा की मांग को लेकर हंगामा किया। लोकसभा में पास किए गए विधेयकों में कई अहम बिल शामिल रहे। इनमें गोवा में अनुसूचित जनजातियों के विधानसभा क्षेत्रों में प्रतिनिधित्व समायोजन से जुड़े विधेयक, व्यापारी जहाजरानी विधेयक, मणिपुर जीएसटी संशोधन बिल और मणिपुर विनियोग विधेयक शामिल हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, राष्ट्रीय एंटी–डोपिंग संशोधन विधेयक, आयकर विधेयक, कराधान कानून संशोधन विधेयक, भारतीय बंदरगाह विधेयक, खनन और खनिज संशोधन विधेयक, भारतीय प्रबंधन संस्थान संशोधन विधेयक और ऑनलाइन गेमिंग विनियमन विधेयक भी लोकसभा ने पारित किया। राज्यसभा ने भी 15 बिल पारित किए या वापस किए। इनमें 'बिल्स ऑफ लेडिंग बिल', 'कैरिज ऑफ गुड्स बाय सी बिल', 'कोस्टल शिपिंग बिल', मणिपुर जीएसटी संशोधन बिल, मणिपुर विनियोग विधेयक और व्यापारी जहाजरानी बिल शामिल रहे। साथ ही गोवा के विधानसभा क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधित्व समायोजन से जुड़े बिल, राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, राष्ट्रीय एंटी–डोपिंग संशोधन विधेयक और कराधान कानून संशोधन विधेयक भी राज्यसभा ने पास किए। सरकारी सूत्रों के अनुसार, विपक्ष के लगातार शोर–शराबे और असहयोगी रवैये के कारण कई अहम विधेयकों पर व्यापक बहस नहीं हो सकी। अधिकांश बिल या तो थोड़ी–बहुत चर्चा के बाद पास हुए या विपक्ष के वॉकआउट के बाद सदन से पारित कराए गए।

संपादकीय

पानीगढ़ चंडीगढ़

मंगलवार को सिटी ब्यूटीफुल के एक हिस्से में, जो जमकर बदरा बरसे, उसे देख अमंगल सी आहट हुई। देश के जिस नियोजित शहर की पहले कस्में खाई जाती थीं। जिसकी जल निकासी व्यवस्था की मिसालें दी जाती। जिसकी खूबसूरती को लेकर तमाम गीत लिखे गए। वहां कुछ घंटों की बारिश ने शहर को पानी–पानी कर दिया। वहां पानी में कारें डूबती नजर आईं। सड़कों पर जाम नजर आए। कई अंडरपास लबालब थे। राहगीर सोचने लगे आखिर चंडीगढ़ कैसे आशिकी करेगा? दुहाई दी गई कि शहर में मध्यमार्ग के पूर्वी हिस्से में 35 एमएम की बारिश से हाल–बेहाल हुए। कहा गया कि दिन में तापमान बढ़ने से अधिक नमी के बीच लोकल क्लाउड बना और अप्रत्याशित बारिश हुई। लेकिन सवाल यह है कि फ्रांसीसी वास्तुकार ली कॉर्बूजिए की योजनाएं क्यों विफल हुई? हर साल जो वॉटर ड्रेनेज सिस्टम की सफाई के टेंडर दिए जाते हैं, उससे जलनिकासी का संकट क्यों दूर नहीं हुआ? दलील दी जा रही हैं कि पानी का प्रवाह अप्रत्याशित था,जो ड्रेनेज सिस्टम की क्षमता से अधिक था। सवाल यह है कि जब पूरे देश में ग्लोबल वॉर्मिंग संकट के चलते बारिश के पैटर्न में बदलाव साफ नजर आ रहा है, तो उसके मद्देनजर तैयारियां क्यों नहीं की गई? सवाल है कि दो राज्यों व एक केंद्रशासित प्रदेश की राजधानी चंडीगढ़ में बैठी अधिकारियों की फौज क्यों आने वाले समय की चुनौतियों के मुकाबले के लिए रीति–नीतियां तैयार नहीं करती? हमें कल की नहीं, परसों के हिसाब से नीतियां बनाने की जरूरत होती है। विदेशों में पचास–सौ साल के लक्ष्य निर्धारित करके योजनाएं बनती हैं। मगर हम इस मामले में फिसड्डी नजर आते हैं। विडंबना है कि हाल के वर्षों में सिटी ब्यूटीफुल कहे जाने वाले चंडीगढ़ के लोक–प्रशासन में वो संवेदनशीलता अधिकारी वर्ग में नजर नहीं आ रही है, जो इसकी विशिष्टता को बनाए रख सके। जगह–जगह सड़कों की हालात खराब है। तमाम स्थानों पर सड़कों पर पैच लगे हैं,ऐसा पहले नहीं दिखता था। निस्संदेह, चंडीगढ़ के शासन–प्रशासन में कहीं तो खोट है, जो शहर देश में स्वच्छ व खूबसूरत शहरों की दौड़ में लगातार पिछड़ता जा रहा है। यही वजह है कि अब सिर्फ बोर्डों में सिटी ब्यूटीफुल नजर आता है। देश के इस पहले नियोजित शहर में इतनी अपार संभावनाएं हैं कि देश में यह साफ–सफाई, जल–निकासी व खूबसूरती में हमेशा अव्वल आ सकता है। लेकिन न तो शासन–प्रशासन के स्तर पर और ना ही स्थानीय नगर निगम के स्तर पर कोई ऐसी मुहिम चली है। नागरिक स्तर पर कोई बड़ा अभियान नहीं चला है। कमोबेश, यही स्थिति कचरे के निस्तारण को लेकर भी है। इसमें दो राय नहीं कि चंडीगढ़ जनसंख्या के दबाव से घिरा है। कमोबेश यह स्थिति सारे देश में है। वहीं चंडीगढ़ के आसपास के इलाकों में अधिकृत व अनधिकृत निर्माण तेजी से हुए हैं। जिससे पानी निकासी के जो प्राकृतिक रास्ते थे, वे भी अवरुद्ध हुए हैं। वहीं नियोजन के स्तर पर आसपास की बस्तियों में जल निकासी को प्राथमिकता नहीं दी गई है। तेजी से बदलते वैश्विक मौसमी परिदृश्य में किसी शहर में अप्रत्याशित तरीके से भारी बारिश की स्थितियां पैदा हो सकती हैं। हाल के वर्षों में रेगिस्तान के इलाके में बाढ़ और बर्फबारी की खबरें आती रही हैं। कुशल शासन–प्रशासन का यही फर्ज होता है ।

पहाड़ों की संवेदनशीलता के अनुरूप हो विकास

अविनाश

पर्वतीय इलाकों में मैदानी इलाकों की तरह काम नहीं किया जा सकता। इसके लिए एक अलग दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। ध्यान रखना होगा कि यदि हम प्रकृति की राह में बाधा डालेंगे, तो उसका खमियाजा हमें ही भुगतना होगा। पिछले कुछ वर्षों से हिमालयी क्षेत्र लगातार आपदाओं का सामना कर रहा हैकृ चाहे 2013 की केदारनाथ त्रासदी हो, 2021 की ऋषिगंगा आपदा, 2023 में ल्होनक झील फटना, जोशीमठ का भूधंसाव हो या हालिया बादल फटना और भूस्खलन की घटनाएं। इन आपदाओं के पीछे जलवायु परिवर्तन, मानसून की अनिश्चितता, अरब सागर की गर्म हवाएं और दक्षिण–पश्चिमी हवाओं का उत्तर

की ओर झुकाव जैसे प्राकृतिक कारण तो हैं ही, सबसे बड़ा कारण प्रकृति में अनियंत्रित मानवीय हस्तक्षेप है, जिसकी भारी कीमत हमें हर साल भीषण तबाही के रूप में चुकानी पड़ रही है। वैज्ञानिक, पर्यावरणविद और शोध लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि पहाड़ों पर अवैज्ञानिक और अनियोजित निर्माण, विस्फोटों से जलविद्युत परियोजनाएं, रेलमार्ग, बेतरतीब खुदाई और नदी–नालों के प्राकृतिक मार्गों में हस्तक्षेप से हम आपदाओं को न्योता दे रहे हैं। दुर्भाग्य से विकास के नाम पर सरकारी लापरवाही का आलम यह है कि संवेदनशील भूस्खलन क्षेत्रों में भी बहुमंजिला इमारतों, होटलों और सड़कों का निर्माण अनियंत्रित रूप से जारी है, जो भविष्य के लिए गंभीर खतरा है। गौरतलब है कि जब धरती की सतह और पहाड़ों को बार–बार खोदा और काटा जाता है, तो बारिश की बूंदें तेजी से बहकर मिट्टी को ढीला कर देती हैं। इससे भूमि की पकड़ कमजोर पड़ती है और आपदाएं, विशेष रूप से भूस्खलन, कई गुना बढ़ जाते हैं। वैज्ञानिक चेता रहे हैं कि जलवायु में आ रहे बदलाव और पहाड़ों पर विकास के नाम पर अंधाधुंध निर्माण विनाश का कारण बन रहा है। आईपीसीसी की रिपोर्ट के अनुसार ऊंचे इलाकों में एक डिग्री तापमान बढ़ने पर वर्षा की तीव्रता 15 फीसदी बढ़ जाती है। जब गर्म समुद्री हवा भारी नमी लेकर हिमालय से टकराती है तब पहाड़ उसे रोकते हैं। इससे क्यूम्यलोनिम्बस बादल बनते हैं जो 50,000 फीट ऊंचाई तक जा सकते हैं और जब ये फटते हैं तो भीषण तबाही लाते हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और डीआरडीओ के अनुसार, हिमालयी ग्लेशियर हर वर्ष औसतन 15 मीटर तक पीछे हट रहे हैं। कुछ क्षेत्रों में यह दर 20 मीटर से अधिक है। गंगा बेसिन में ग्लेशियर 15.5 मीटर, इंडस बेसिन में 12.7 मीटर और ब्रह्मपुत्र बेसिन में 20.2 मीटर प्रति वर्ष की गति से पीछे खिसक रहे हैं। दरअसल, जब ग्लेशियर पिघलते हैं, उसके नीचे की जमीन अस्थिर होती जाती है। पिघलती बर्फ, दरकती चट्टानें और अचानक बनने वाली झीलें सबसे बड़ी चिंता का विषय हैं। रिपोर्ट की मानें तो साल 2018 तक कराकोरम और हिन्दूकुश जैसे इलाकों में 127 बड़े ग्लेशियर संबंधित भूस्खलन रिकॉर्ड हुए हैं। हिमालयी क्षेत्र उत्तराखंड, हिमाचल, सिक्किम सहित कुल 13 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में फैला है। मानसून के दौरान यह क्षेत्र प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यंत संवेदनशील रहता है। इसकी जटिल भौगोलिक बनावट, नाजुक पारिस्थितिकी और बदलती जलवायु स्थितियां इसे और अधिक जोखिमग्रस्त बनाती हैं। यह आपदाएं आबादी क्षेत्र, बुनियादी ढांचे और जैव विविधता के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करती हैं। चूंकि इस क्षेत्र में अधिकांश नदियां संकरी घाटियों से होकर बहती हैं, इसलिए बादल फटने या ग्लेशियर झील के फटने के कारण तेज बहाव के साथ बड़ी मात्रा में बोल्डर सहित मलबा भी बह जाता है। परिणामस्वरूप नदियों के रास्ते अवरुद्ध हो जाते हैं और निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन और पर्वतीय इलाकों में जारी विकास परियोजनाओं से प्राकृतिक आपदाओं का खतरा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। वर्ष 2021 में उत्तराखंड में पानी के तेज बहाव के कारण ६ गौलीगंगा नदी में एक हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पर काम कर रहे कर्मचारियों पर चट्टानें और मलबा आ गिरा, जिससे 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। गौरतलब है कि हिमालयी इलाके में बरसों से जारी खनन से नदी तल का क्षरण हो रहा है। इसके चलते नदियां सूख रही हैं, नतीजतन बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ रहा है। यही नहीं खनन से निकलने वाले रसायन मिट्टी और पानी को प्रदूषित करते हैं। खनन से वन्य जीवों के आवास खत्म हो रहे हैं, जिससे जैव विविधता को काफी नुकसान हो रहा है। खनन से जहां लोग अपने घरों से विस्थापित हो रहे हैं, वहीं स्थानीय लोगों की आजीविका, कृषि और पर्यटन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है ।

ट्रंप की पाठशाला में नतमस्तक यूरोपीय नेता

अजित

फ्रांसीसी–पोलिश भू–अर्थशास्त्री डैनियल फूबर्ट ने एक्स पर कहा कि 'यूरोपीय संघ ने यूरोप को अर्थहीन बना दिया है।' फुबर्ट ने कहा, 'यूरोपीय नेता बड़ी संख्या में वाशिंगटन पहुंचे। अपनी बात कहने के लिए बेताब। वे साझेदार के रूप में नहीं, बल्कि याचिकाकर्ता के रूप में आए थे, एक ऐसे व्यक्ति के शब्द का इंतजार कर रहे थे जिसके पास अब सारे पत्ते हैं।' व्हाइट हाउस की वेबसाइट पर एक तस्वीर को जिसने भी देखा, जुगुप्सा से भर गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ओवल ऑफिस के सिंहासन पर विराजे हुए। उनके गिर्द यूरोप के प्रमुख नेता इस अंदाज में बैठे दिख रहे हैं, गोया पाठशाला चल रही हो। इसे सत्ता का 'शर्मनाक खेल' बताया गया, जिससे वैश्विक एकता के प्रदर्शन पर ग्रहण लग गया है। इस कवायद को अमेरिकी चौधराहट का विकृत रूप कहिये। ब्रिटिश ऑनलाइन समाचार पत्र, 'द इंडिपेंडेंट' के अनुसार, 'सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने कहा, कि ट्रंप के रेजोल्यूट डेस्क के सामने वाली कुर्सियों पर यूरोपीय नेताओं के बैठने की व्यवस्था देखकर ऐसा लगा जैसे अमेरिकी राष्ट्रपति 'अनियंत्रित स्कूली बच्चों' के एक समूह की मेजबानी कर रहे हों।' सोमवार को, ट्रंप ने पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की मेजबानी की, और फिर यूक्रेन संकट के समाधान के हवाले से व्हाइट हाउस में सात यूरोपीय नेताओं के साथ बैठक की। इस बैठक में ट्रंप, जेलेंस्की, ब्रिटेन के सर कीर स्टारमर, फ्रांस के इमैनुएल मैक्रों, इटली की जियोर्जिया मेलोनी, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, फिनलैंड के अलेक्जेंडर स्टब, नाटो महासचिव मार्क रूट, और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन देयर लेयेन शामिल थीं। जर्मन मीडिया के अनुसार, 'यूरोपीय नेता जेलेंस्की के चारों ओर एक सुरक्षात्मक अर्धवृत्ताकार घेरे में बैठे थे, वो यह सुनिश्चित करने के लिए उत्सुक थे कि ओवल ऑफिस में एक और अपमान न हो, और ट्रांस–अटलांटिक गठबंधन कायम रहे।' ब्रसेल्स स्थित यूरोपियन पॉलिसी सेंटर में यूरोपीय और वैश्विक मामलों के निदेशक अल्मुट मोलर ने एक ईमेल के जरिये रिएक्ट किया, 'यह एक ऐसी बैठक थी, जहां यूरोपीय लोगों को अपनी एकता और दृढ़ संकल्प दिखाने का मौका मिला। यूरोप शक्तिहीन नहीं है।' लेकिन ठीक से देखा जाये, तो इसमें यूरोप–अमेरिकी सुप्रीमेसी झलक रही थी। दुनिया को यह बताना था, कि ट्रांस–अटलांटिक मसलों को कोई एशियाई–अफ्रीकी नेता नहीं सुलझाएगा। पीएम मोदी तो जैसे अप्रासंगिक हों। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 से 23 अगस्त 2024 के बीच पोलैंड एवं यूक्रेन की यात्रा पर गए थे। तब ट्रंप, अमेरिकी चुनाव में व्यस्त थे। लेकिन, शायद उन्होंने तय कर लिया था, कि यूक्रेन की शांतिवार्ता का श्रेय किसी एशियाई नेता को नहीं मिलना चाहिए। वर्ष 1991 में यूक्रेन की स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से कीव की यात्रा करने वाले मोदी पहले भारतीय नेता बन गए। मोदी की कीव यात्रा ने ग्लोबल सुर्खियां बटोरी थी। शांतिदूत के रूप में मोदी की भूमिका, यूरोपीय नेताओं के गले से नीचे नहीं उतर रही थी। गुजरे सोमवार को व्हाइट हाउस ने उन प्रमुख यूरोपीय नेताओं से घिरे ट्रंप की तस्वीर पोस्ट करते हुए, इसे 'एक ऐतिहासिक दिन' बताया, और कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति 'शांति के राष्ट्रपति' हैं। यह जबरदस्ती और बेशर्मी भरा सन्देश है, कि 'पीस प्रेसिडेंट' को 'नोबेल पीस प्राइज' चाहिए। यह सारा प्रपंच उसी के वास्ते है। हालांकि, एक्स प्लेटफॉर्म पर कुछ भू–राजनीतिक पर्यवेक्षकों और नेटिजन्स ने माना कि ट्रंप की मेज के सामने बैठे यूरोपीय नेताओं की यह नई तस्वीर 'शर्मिंदगी और अपमान' के क्षण का संकेत देती है। इस तस्वीर पर टिप्पणी करते हुए, फ्रांसीसी–पोलिश भू–अर्थशास्त्री डैनियल फूबर्ट ने एक्स पर कहा कि 'यूरोपीय संघ ने यूरोप को अर्थहीन बना दिया है।' फुबर्ट ने कहा, 'यूरोपीय नेता बड़ी संख्या में वाशिंगटन पहुंचे। अपनी बात कहने के लिए बेताब। वे साझेदार के रूप में नहीं, बल्कि याचिकाकर्ता के रूप में आए थे, एक ऐसे व्यक्ति के शब्द का इंतजार कर रहे थे जिसके पास अब सारे पत्ते हैं।' 'आई मीम देयर फोर आई एम' नाम के एक अन्य नेटिजन ने एक्स पोस्ट की गई तस्वीर पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'इतिहास हमारे सामने घटित हो रहा है! यूरोपीय नेता राष्ट्रपति ट्रंप की मेज के चारों ओर बैठे हैं। यकीन नहीं हो रहा कि ये लोग इतने क्षुद्र हो सकते हैं।' एक स्तंभकार अभिषेक ने एक्स पर कहा कि 'ट्रंप भारत से नाराज क्यों हैं? क्योंकि यूरोपीय नेता असंभव स्तर का अपमान सह रहे हैं। इतालवी प्रधानमंत्री, जर्मन चांसलर, फ्रांसीसी राष्ट्रपति... सभी प्रिंसिपल के कार्यालय में बच्चों की तरह बैठे हैं. .. लेकिन, प्रधानमंत्री मोदी का इस तरह बैठना असंभव है।' ऐसी टिप्पणी पर कैसे तार्किक मानें? लेकिन मुश्किल पुतिन के साथ है। अलास्का में ट्रम्प से मुलाकात को पुतिन ने शेयर किया, लेकिन वो भी खुलकर नहीं कहते कि शांतिवार्ता भारत के किसी लोकेशन में हो। क्यों आखिर? पुतिन के लिए, भारत में शांति वार्ता तो सबसे सुरक्षित है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) का गिरफ्तारी वारंट जारी है। आरोप है कि पुतिन ने यूक्रेनी बच्चों को रूस में अवैध रूप से स्थानांतरित करने का आदेश दिया था। गैर–नाटो सदस्य स्विट्जरलैंड और ऑस्ट्रिया ने कहा है कि वे यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के साथ संभावित शिखर सम्मेलन के लिए पुतिन की मेजबानी के लिए तैयार हैं।

..... विविध .....

अब एआई भी वजन घटाने में मदद करेगा

हर किसी के लिए वजन घटाने का तरीका अलग होता है। यह आपकी उम्र, वजन, हाइट, लाइफस्टाइल और रोज की आदतों पर निर्भर करता है। अक्सर लोग इस जर्नी की सही शुरुआत नहीं कर पाते, क्योंकि उन्हें यह समझ नहीं आता कि कहां से शुरू करें। ऐसे में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आपकी मददगार साबित हो सकता है।

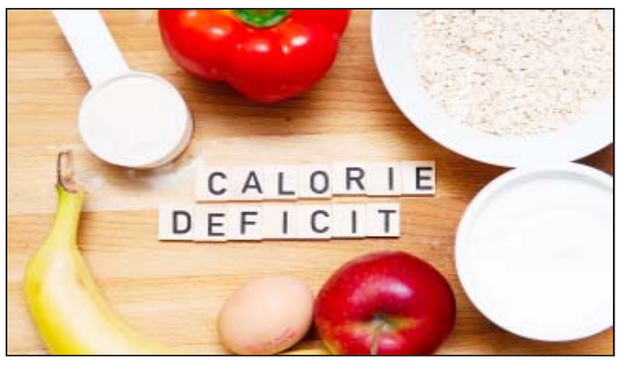

फिटनेस कोच जूली ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर कुछ आसान प्रॉम्प्ट्स (सवालधनिर्देश) शेयर किए हैं, जिनकी मदद से उन्होंने खुद अपनी वेट लॉस जर्नी शुरू की थी। आइए जानते हैं वो 4 ट्रिक्स जो वजन घटाने में मदद कर सकती हैं।

कैलोरी डेफिसिट कैलकुलेशन

वजन घटाने की शुरुआत हमेशा कैलोरी डेफिसिट से होती है, यानी जितनी कैलोरी आप खाते हैं उससे ज्यादा कैलोरी शरीर को खर्च करनी चाहिए। जूली ने इस स्टेप को आसान बनाने के लिए एआइ की मदद ली। उन्होंने ChatGPT से अपनी उम्र, वजन, हाइट और वर्कआउट रूटीन की जानकारी दी और पूछा कि उनके लिए सही कैलोरी गोल क्या होना चाहिए। एआइ ने इन डिटेल्स का विश्लेषण करके उन्हें एक पर्सनलाइज्ड कैलोरी टारगेट बताया, जिससे जूली को अपनी डाइट को सही तरीके से मैनेज करने और वेट लॉस जर्नी को व्यवस्थित रूप से शुरू करने में मदद मिली।

पर्सनल मील प्लान

वेट लॉस की सबसे कठिन स्टेप होती है रोजाना हेल्दी और बैलेंस्ड मील प्लान बनाना, क्योंकि हर दिन यह सोचना कि क्या खाएं, काफी चुनौतीपूर्ण हो जाता है। जूली इस परेशानी से बचने के लिए एआई की मदद लेती थीं। उन्होंने चौटजीपीटी को बताया कि उन्हें 1700 कैलोरी का ऐसा मील प्लान चाहिए जो ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद करे और मिडल–एज में वजन घटाने के लिए सही हो। साथ ही उन्होंने अपनी पसंद भी बताई। उन्हें चिकन और पास्ता पसंद है, लेकिन सीफूड नहीं चाहिए। इन डिटेल्स के आधार पर एआई ने उनके लिए एक पर्सनलाइज्ड और हेल्दी मील प्लान तैयार कर दिया, जिससे जूली को रोज–रोज सोचने की दिक्कत नहीं हुई और उनकी डाइट भी सही दिशा में रही।

वर्कआउट शेड्यूल

आज की व्यस्त जिंदगी में एक्सरसाइज के लिए समय निकालना सबसे मुश्किल काम होता है। लेकिन यही जगह है जहां एआई काम आता है। अगर आप अपना पूरा रूटीन एआई को बता दें तो यह आपके हिसाब से एक पर्सनलाइज्ड वर्कआउट शेड्यूल बना देता है। फिटनेस कोच जूली ने भी ऐसा ही किया। उन्होंने चौटजीपीटी को बताया कि वे हफ्ते में 3 दिन 12 घंटे की शिफ्ट करती हैं, आने–जाने में 30 मिनट लगते हैं और सोमवार से शुक्रवार तक उनके पास केवल 30 मिनट का समय है। इस जानकारी के आधार पर एआई ने उनके लिए एक आसान, असरदार और समय के हिसाब से फिट वर्कआउट प्लान तैयार किया, जिससे वे बिना गैप के अपनी फिटनेस जर्नी को जारी रख सकें।

हार्मोनल बदलाव को समझना

उम्र बढ़ने के साथ शरीर में हार्मोनल बदलाव होना स्वाभाविक है और इसका असर अक्सर वजन, ऊर्जा स्तर और मूड पर दिखाई देता है। जूली ने भी इस समस्या को महसूस किया और चौटजीपीटी से सवाल किया कि 52 साल की उम्र में, जब उनकी लाइफस्टाइल वही है, तो मूड स्विंग्स और बेली फैट बढ़ने की क्या वजह हो सकती है। उन्हें हार्मोन से जुड़े संभावित बदलावों जैसे एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन के स्तर में कमी के बारे में जानकारी दी। इससे जूली को अपने हेल्थ इश्यू को समझने और आगे डॉक्टर से सही सलाह लेने में आसानी हुई।

समस्या को समझें और उसे दूर करें

अगर हेल्दी खाना खाने और एक्सरसाइज करने के बाद भी वजन कम नहीं हो पा रहा है, तो इसके पीछे क्या कारण हो सकते हैं। आप इसके बारे में भी पता लगा सकते हैं और इसके बाद अपने एक्सपर्ट से सलाह कर सकते हैं। चौटजीपीटी आपके द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब आपको दे सकता है। आप उससे आपने के लिए सही डाइट पूछ सकते हैं। लेकिन इसके बारे में अपने एक्सपर्ट से सलाह जरूर करें। वह आपकी मेडिकल कंडीशन और जरूरत के मुताबिक आपको सही जानकारी दे पाएंगे।

हफ्ते–हफ्ते तक साफ नहीं होता पेट बस अपनाएं ये 3 आसान तरीके और फर्क खुद देखें!

पेट की सफाई सेहत का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। अगर आपका पेट हफ्तों तक साफ नहीं होता, तो न सिर्फ आपकी सेहत पर बुरा असर पड़ता है बल्कि इसका असर आपके चेहरे पर भी दिखाई देता है। पेट में जमी गंदगी और टॉक्सिन्स आपकी त्वचा को फीका और परेशान बना सकते हैं। लेकिन घबराइए मत।आज हम आपको तीन आसान और असरदार उपाय बताएंगे, जिनसे आपका पेट साफ होगा और आपका चेहरा खिल उठेगा जैसे कमल का फूल। चलिए जानते हैं ये उपाय विस्तार से।

गुनगुने पानी में नींबू और शहद मिलाकर पिएं

सुबह उठते ही खाली पेट एक गिलास गुनगुना पानी लें, उसमें आधा नींबू निचोड़ें और एक चम्मच शहद डालें। यह मिश्रण आपके पाचन तंत्र को साफ करता है और शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकलने में मदद करता है। नींबू विटामिन ब से भरपूर होता है जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है, जबकि शहद में एंटीऑक्सिडेंट गुण होते हैं जो शरीर को डिटॉक्स करते हैं। नियमित रूप से इसे पीने से आपकी कब्जियत दूर होगी और पेट की सफाई होगी।

फाइबर युक्त आहार को अपनी दिनचर्या में शामिल करें

पेट साफ रखने के लिए आपकी डाइट में फाइबर बहुत जरूरी है। ताजा फल, सब्जियां, ओट्स, मूंगफली और साबुत अनाज आपके पेट को साफ करने में मदद करते हैं। फाइबर पेट की परतों में फंसे कचरे को बाहर निकालता है और पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है। दिन में कम से कम 25–30 ग्राम फाइबर जरूर लें। इसके अलावा पानी ज्यादा पीना भी जरूरी है क्योंकि फाइबर तभी अच्छे से काम करता है जब आपके शरीर में पानी की मात्रा ठीक हो।

योग और प्राणायाम से पाचन सुधारें

पेट साफ रखने के लिए सिर्फ खानपान ही नहीं, योग और प्राणायाम भी बेहद जरूरी हैं। विशेष रूप से अनुलोम–विलोम प्राणायाम और पद्मासन जैसी आसान योग मुद्राएं पाचन तंत्र को मजबूत करती हैं और पेट की सफाई में मदद करती हैं। रोजाना कम से कम 20 मिनट योग करने से न केवल आपका पेट साफ रहेगा, बल्कि आपकी त्वचा भी अंदर से स्वस्थ और चमकदार हो जाएगी।

पेट की सफाई को नजरअंदाज करना सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है। लेकिन इन तीन आसान उपायों को अपनी दिनचर्या में शामिल करके आप न केवल पेट की समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं, बल्कि अपने चेहरे पर भी प्राकृतिक निखार ला सकते हैं। तो देर किस बात की? आज ही शुरू करें और कमल के फूल की तरह खिलते चेहरे का अनुभव करें।

आधे टमाटर और मुल्तानी मिट्टी से पाए दमकती त्वचा सिर्फ 15 मिनट में दिखेगा असर!

आजकल चमकदार और बेदाग त्वचा पाने के लिए लोग महंगे–महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स पर हजारों रुपये खर्च कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यही काम आप घर में पड़ी सिर्फ दो चीजों की मदद से कर सकते हैं टमाटर और मुल्तानी मिट्टी।कंटेंट क्रिएटर रिया ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि कैसे आप आधे टमाटर और मुल्तानी मिट्टी के आसान घरेलू नुस्खे से अपनी त्वचा को निखार सकते हैं और वो भी सिर्फ 15 मिनट में।

महंगी क्रीम नहीं, काम आएगा किचन

जब भी स्किन केयर की बात आती है तो हमारे दिमाग में लंबे रूटीन और मंहगे प्रोडक्ट्स की लिस्ट दौड़ने लगती है। लेकिन हर किसी के पास ना तो इतना समय होता है और ना ही बजट। खासकर मिडिल क्लास लोग सोचते हैं कि स्किन केयर छोड़ फल–सब्जी खा लें, वही अच्छा है। ऐसे में यह घरेलू नुस्खा उनके लिए एकदम परफेक्ट है, सस्ता, असरदार और नेचुरल।

क्या चाहिए? सिर्फ ये दो चीजें

आधा टमाटर, मुल्तानी मिट्टी पाउडर इन दोनों को मिलाकर बस 15 मिनट में आप पा सकते हैं चमकती हुई, साफ–सुथरी त्वचा।

कैसे करें इस्तेमाल? आसान तरीका जानिए

फ्रिज से एक पका हुआ टमाटर निकालिए और उसे बीच से काट लीजिए। अब आधे टमाटर के कटे हुए हिस्से पर थोड़ा सा मुल्तानी मिट्टी पाउडर डालें। इस टमाटर को अपने साफ चेहरे पर हल्के हाथों से रगड़ें। रगड़ते समय टमाटर को हल्का–हल्का दबाते रहें, जिससे उसका रस और मुल्तानी मिट्टी मिलकर स्किन के अंदर तक जा सके। 10द्15 मिनट बाद चेहरा साधारण पानी से धो लें।

टमाटर के फायदे

त्वचा की रंगत सुधारता है

दाग–धब्बों को हल्का करता है

स्किन को बनाता है ग्लोइंग और फ्रेश

मुल्तानी मिट्टी के फायदे

स्किन से अधिक तेल को सोखती है। मुंहासों और ब्लैकहेड्स को कम करती है। त्वचा को बनाती है सॉफ्ट और क्लीन। पिगमेंटेशन और टैनिंग में भी फायदेमंद।

क्यों अपनाएं ये नुस्खा?

100% नेचुरल – कोई केमिकल नहीं। साइड इफेक्ट का खतरा नहीं। सस्ता और घर में ही उपलब्ध। त्वचा को लंबे समय तक चमकदार बनाता है।

यह नुस्खा इंस्टाग्राम कंटेंट क्रिएटर रिया द्वारा साझा किया गया है। हालांकि ये घरेलू उपाय काफी असरदार होते हैं, लेकिन अगर आपकी स्किन बहुत सेंसिटिव है या आपको पहले से कोई स्किन प्रॉब्लम है, तो इसे इस्तेमाल करने से पहले एक बार एक्सपर्ट से सलाह जरूर लें।

करोड़ों की जमीन फर्जीवाड़ा मामला, हाईकोर्ट ने एलडीए को लगाई फटकार

लखनऊ, (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने राजधानी के गोमती नगर विस्तार की करोड़ों की जमीनों में कथित फर्जीवाड़े मामले में एलडीए के अफसरों को कड़ी फटकार लगाई है। मामले में कोर्ट ने बहुजन निर्बल वर्ग सरकारी गृह निर्माण समिति की पिछले 10 साल में संपत्ति बिक्री का ऑडिट कराने समेत नियमों के उलंघन की जांच कराने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने यह आदेश बहुजन निर्बल वर्ग सरकारी गृह निर्माण समिति की याचिका पर दिया। याची समिति के अधिवक्ता शरद पाठक ने आरोप लगाया कि समिति के गठन का उद्देश्य अनुसूचित जाति के लोगों को आवासीय सुविधा देना था, लेकिन अयोग्य लोगों को जमीन आवंटित कर दी गई। यही नहीं, समिति के गैर सदस्यों द्वारा दी संपत्तियों की बिक्री भी कर दी गई। इसकी भारी धनराशि समिति के खाते में भी जमा नहीं की गई। याचिका में इस कथित फर्जीवाड़े मामले में सख्त कार्रवाई के निर्देश देने का आग्रह किया गया।

अफसरों ने जांच की... लेकिन, कोई कार्रवाई नहीं की

कोर्ट ने कहा कि यह विचलित करने वाला है कि एलडीए के सात जिम्मेदार अफसरों ने इसकी जांच की, इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। कहा, यह भी काफी विचलित करने वाला है कि इन तथ्यों के राज्य सरकार की जानकारी में होने के बावजूद समिति की देखरेख करने वाले सदस्यों द्वारा नियमों के खिलाफ बैनामे करके काफी बड़ी रकम पार की गई।

उधर, राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि राज्य, मामले में एफआईआर कराने की प्रक्रिया में है। इस पर कोर्ट ने बुधवार को दर्ज होने वाली एफआईआर पर उठाए गए कदमों की स्टेटस रिपोर्ट अगली सुनवाई पर 16 सितंबर को पेश करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा अगर पुलिस अफसर जरूरी समझें तो समिति की जमीन का, पिछले 10 साल की बिक्री और समिति के खाते में जमा की गई इसकी रकम का ऑडिट करवा सकते हैं।

राजस्व कानून के तहत की गई कार्रवाई की रिपोर्ट भी मांगी

साथ ही कहा कि जरूरी होने पर पुलिस अफसर धन शोधन अधिनियम के तहत भी कारवाई समेत रकम की वसूली को कदम उठा सकते हैं। कोर्ट ने सख्त ताकीद किया कि इस मामले की तफ्तीश का पुलिस अधीक्षक स्तर के अफसर द्वारा निगरानी की जाएगी। कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार से राजस्व कानून के तहत क्या कार्रवाई की गई, इसकी रिपोर्ट भी मांगी है।

बाल वाटिका के बच्चों की शिक्षण सामग्री के लिए 53 करोड़ स्वीकृत

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में पहले से चल रहे को–लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्र व नई शुरू हुई बालवाटिका के बच्चों को पठन–पाठन से जुड़ी पर्याप्त शिक्षण सामग्री मिलेगी। शिक्षा मंत्रालय के प्रोजेक्ट अप्रूवल बोर्ड (पीएबी) ने 53074 को–लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्र व बालवाटिका के लिए 53 करोड़ स्वीकृत किए हैं। इसके तहत बच्चों के प्रयोग के लिए कलर पेंसिल, एचबी पेंसिल, शार्पनर, इरेजर, कलर्ड चॉक, हिंदी वर्णमाला, अंग्रेजी अल्फाबेट आदि लिया जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से इन केंद्रों के लिए 52 सप्ताह का गतिविधि कैलेंडर जारी करते हुए तीन से छह साल के बच्चों को पढ़ाई के निर्देश दिए हैं। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा की ओर से सभी बीएसए को निर्देश दिया गया है कि एआरपी, एसआरजी व डायट मेंटर अपने निर्धारित सहयोगात्मक पर्यवेक्षण में इसको लागू करेंगे। वहीं शिक्षण सामग्री खरीदने के लिए विद्यालय प्रबंध समिति की अध्यक्षता वाली कमेटी होगी। वहीं जिला समन्वयक प्रशिक्षण की ओर से इसका अनुश्रवण भी किया जाएगा। उन्होंने कहा है कि नोडल शिक्षक संकुल विद्यालय परिसर के आंगनबाड़ी केंद्रों व बालवाटिका का बेहतर संचालन सुनिश्चित कराएंगे। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने सभी बीएसए को निर्देश दिया है कि विद्यालयों में पूरी यूनिफॉर्म में सबसे अधिक उपस्थित रहने वाले छात्र का एक पूर्ण यूनिफॉर्म में फोटो फ्लेक्स पर प्रिंट कराकर कक्षा के बाहर लगाया जाना सुनिश्चित कराएं। इससे संबंधित व्यय विद्यालय की कंपोजिट ग्रांट से वहन किया जाएगा। इससे अन्य बच्चे भी यूनिफार्म में आने के लिए प्रेरित होंगे। प्रदेश के सभी परिषदीय विद्यालयों में 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया जाएगा। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने सभी बीएसए को निर्देश दिया है कि इसका उद्देश्य बच्चों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बारे में जागरूक करना है। इस दिन विशेष सभा, प्रदर्शनी, कार्यशाला व वैज्ञानिकों से संवाद भी आयोजित किया जाए। उन्होंने कहा है कि एनसीईआरटी की ओर से इसके लिए ऑनलाइन सामग्री भी उपलब्ध कराई गई है।

जहरीला पदार्थ खाकर सीएम के जनता दरबार में पहुंचा रिटायर्ड फौजी, मचा हड़कंप

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में गुरुवार को एक रिटायर्ड फौजी जहरीला पदार्थ खाकर सीएम योगी के जनता दरबार में पहुंच गया।

उसने वहां पर तैनात सिक्योरिटी स्टॉफ को यह बात बताई। इसके बाद उसे तत्काल सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। फौजी का आरोप है कि उसने गाजियाबाद से भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर के उत्पीड़न से तंग आकर यह कदम उठाया है। बताया गया कि गाजियाबाद के लोनी थाना क्षेत्र के सिरौली निवासी रिटायर्ड फौजी सतबीर गुर्जर सीएम जनता दरबार में पहुंचे थे। यहां सुरक्षा में तैनात स्टाफ को उन्होंने बताया कि वह जहरीला पदार्थ खाकर आए हैं। इससे मौके पर अफरातफरी मच गई। इस दौरान सतबीर ने भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर पर कई गंभीर आरोप लगाए।

सोशल मीडिया पर खुलासा कर दिया था...

रिटायर्ड फौजी के पास से एक शिकायती पत्र मिला। इसमें उन्होंने लिखा था कि विधायक ने बीते अप्रैल महीने में कलश यात्रा निकाली थी। उनका उद्देश्य सरकार गिराना था। इसकी जानकारी होने पर रिटायर्ड फौजी ने साजिश को पहचानकर सोशल मीडिया पर खुलासा कर दिया था। इसके बाद से विधायक उन पर अत्याचार कर रहे हैं। इंस्पेक्टर गौतम पल्ली रत्नेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल सतबीर की हालत ठीक है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

साइबर सुरक्षा में सेंध लगा रहे चीन-पाकिस्तान, सुरक्षित डिजिटल ढांचा जरूरी

लखनऊ, (संवाददाता)। चीन–पाकिस्तान देश की साइबर सुरक्षा में सेंध लगाने की लगातार कोशिश कर रहे हैं। इस पर लगाम लगाना होगा। इस काम में सिक्योर डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास कारगर होगा। साइबर किल–चेन को वैश्विक प्रयासों के जरिये ही तोड़ा जा सकता है। फोरेंसिक के क्षेत्र में भी एआई और भविष्य आधारित तकनीकों के प्रयोग के जरिये पीड़ितों को न्याय व सहायता और दोषियों को दंड दिलाया जा सकता है। ये बातें विशेषज्ञों ने यूपी स्टेट इंस्टीयूट ऑफ फोरेंसिक साइंसेज (यूपीएसआईएफएस) में चल रहे तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कही। सम्मेलन के अंतिम दिन बुधवार को साइबर सुरक्षा, फोरेंसिक साइंस की उन्नति समेत कई विषयों पर पैनल डिस्कशन हुआ। मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट लखनऊ बेंच के न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान ने कहा कि वर्तमान में फोरेंसिक विज्ञान का महत्व बढ़ता जा रहा है। यह संस्थान भविष्य के फोरेंसिक वैज्ञानिकों व कानूनी विशेषज्ञों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। अति विशिष्ट अतिथि न्यायमूर्ति राजीव सिंह ने कहा कि भारत में फोरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में यूपीएसआईएफएस अग्रणी भूमिका निभाएगा। विशिष्ट अतिथि व राममनोहर लोहिया विधि विवि के कुलपति अमर पाल सिंह ने कहा तकनीकी विकास की गति इतनी तेज है कि कानून पीछे छूट जाता है। अतिथि वक्ता व एनएफएसयू दिल्ली की निदेशक प्रो. पूर्वी पोखरियाल ने साइबर अपराध को सीमाहीन बताते हुए कहा कि भारत को यूरोप, अमेरिका और चीन के अनुभवों से सीखना होगा। आईपीएस ब्रजेश सिंह ने कहा कि छोटा बदलाव बड़ा असर डाल सकता है। हिजबुल्ला पेजर अटैक इसका उदाहरण है। एक मालवेयर से देश का सबसे बड़ा पोर्ट तीन माह तक ऑपरेट नहीं हो पाया। लॉकबिट तोड़ने के लिए 11 देशों की सुरक्षा एजेंसियों को साथ काम करना पड़ा। यूपीएसआईएफएस के फाउंडिंग डायरेक्टर जीके गोस्वामी ने कहा कि अगर हमारे साक्ष्य सही हैं, तभी हम न्याय दिला सकेंगे।

विषय विशेषज्ञों ने भी दी जानकारी

ऑस्ट्रेलिया के साइबर एक्सपर्ट रॉबी अब्राहम ने वर्चुअल जुड़कर हैकिंग की बदलती प्रक्रिया के बारे में बताया। निर्भया व गुड़िया रेप केस का उदाहरण देकर ऑस्ट्रेलिया के साइबर एक्सपर्ट शांतनु भट्टाचार्य ने मिक्स्ड डीएनए एनालिसिस की जटिल प्रक्रिया समझाई। कहा, इससे केस सुलझाने में आसानी होती है। उप्पल हैदराबाद के स्टाफ साइंटिस्ट व ग्रुप हेड डॉ. मधुसूदन रेड्डी नंदी नेनी ने नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग, रैपिड डीएनए टेक्नोलॉजी, मिनिएचर व पोर्टेबल डिवाइस की जानकारी दी।

इस मौके पर यह लोग रहे मौजूद

सम्मेलन में एनसेस्ट्री इंटरफेस व फोरेंसिक केसवर्क के विभिन्न पहलुओं पर सीडीआरआई लखनऊ के साइंटिस्ट राजेंद्र सिंह, आईईएसआर नोएडा के सीईओ आशीष दूबे, बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट लखनऊ के साइंटिस्ट डॉ. नीरज राय व हैदराबाद के बायोएक्सिस कंपनी के सीईओ अमित कुमार, अमेरिकी साइबर एक्सपर्ट पवन शर्मा, आईआईआईटी लखनऊ के निदेशक एएम शेरी, बायोटॉक्स सॉल्यूशन के निदेशक शिव पूजन, एसआईएफएस नई दिल्ली के सीईओ रंजीत सिंह, केजीएमयू के फोरेंसिक मेडिसन व टॉक्सिकॉलोजी विभाग की एडिशनल प्रोफेसर डॉ. शिवली, एनआईपीईआर रायबरेली के फैकल्टी डॉ. निहार रंजन, बायोटॉक्स सॉल्यूशंस के निदेशक डॉ. शिव पूजन भी शामिल हुए।

संक्षिप्त खबरें

निरस्त विमान में बुक कर दिया टिकट, महिला यात्री परेशान

लखनऊ, (संवाददाता)। एयर इंडिया की लखनऊ से हैदराबाद जाने वाली उड़ान को अचानक निरस्त कर दी गई। जबकि लखनऊ से पुणे की उड़ान निरस्त होने के बावजूद टिकट बुक कर दिया गया। एयरपोर्ट पहुंची महिला ने इस पर नाराजी जताई और एयर इंडिया प्रशासन से शिकायत की। महिला यात्री सुप्रिया सक्सेना ने आरोप लगाया है कि उन्होंने बीती 18 अगस्त की लखनऊ से पुणे का एयर इंडिया की वेबसाइट से टिकट बुक कराया था। एयरपोर्ट पहुंचने पर उन्हें उड़ान निरस्त होने की सूचना मिली। सुप्रिया के मुताबिक वह डेढ़ घंटे तक एयर इंडिया के एक काउंटर से दूसरे काउंटर पर भटक रहीं थी,लेकिन सही जानकारी नहीं दी गई। उड़ान के निरस्तीकरण का लेटर भी एयर इंडिया का स्टाफ नहीं दे रहा था। काफी देर बाद निरस्त होने का लेटर दिया और बताया कि किराए का रिफंड पांच से सात दिन में मिलेगा। दूसरी ओर लखनऊ से बीती मंगलवार रात 9:15 बजे हैदराबाद जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान आइएक्स–2939 अचानक निरस्त कर दी गई। यात्रियों को दूसरी उड़ान से जाने या फिर रिफंड का विकल्प दिया गया।

सात नवंबर तक चलेगी बंगलुरु गोमतीनगर स्पेशल ट्रेन

लखनऊ, (संवाददाता)। रेलवे प्रशासन की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए बंगलुरु से गोमतीनगर के बीच चलने वीकली स्पेशल ट्रेन अब सात नवंबर तक संचालित की जाएगी। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि 06529 सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बंगलुरु–गोमतीनगर साप्ताहिक विशेष गाड़ी तीन नवम्बर तक प्रत्येक सोमवार को बंगलुरु से शाम सात बजे चलकर प्रयागराज, वाराणसी से होते हुए चौथे दिन गोमतीनगर सुबह 11. 30 बजे पहुंचेगी। वापसी में 06530 गोमतीनगर सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बंगलुरु समर वीकली स्पेशल ट्रेन सात नवम्बर तक प्रत्येक शुक्रवार को गोमतीनगर से दोपहर 12.20 बजे चलकर चौथे दिन बंगलुरु स्टेशन पर सुबह सवा आठ बजे पहुंचेगी। ट्रेन में फर्स्ट एसी का एक, सेकेंड एसी के दो, थर्ड एसी के चार, स्लीपर के सात व जनरल के चार कोच लगाए जाएंगे।

लखनऊ टिकरी रेलखंड पर डीआरएम ने सेफ्टी जांची

लखनऊ, (संवाददाता)। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल के डीआरएम गौरव अग्रवाल ने बुधवार को लखनऊ–टिकरी वाया मनकापुर रेलखण्ड पर सेफ्टी का निरीक्षण किया। उन्होंने रूट के रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं व ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को बनाए रखने के निर्देश दिए। जनसंपर्क अधिकारी महेश कुमार गुप्त ने बताया कि निरीक्षण के दौरान श्री अग्रवाल ने मोतीगंज, झिलाही, बरूआचक, मनकापुर व टिकरी स्टेशनों पर कार्यालय, पैनलरूम, सर्कुलेटिंग एरिया, प्लेटफार्म, एफओबी आदि का गहन निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने गोण्डा लोको शेड में ओवरहालिंग, बोगी, विद्युत रनिंग शेड के इंफ्रास्ट्रक्चर और लोको के रखरखाव का अवलोकन किया। इसके अतिरिक्त, मण्डल रेल प्रबन्धक ने रेलवे चिकित्सालय, आरआरआई भवन, खानपान स्टाल, यात्री प्रतीक्षालय, सुविधाओं, विकासकार्यों, फुटओवर ब्रिज और प्लेटफार्मों की साफ–सफाई का निरीक्षण किया।

युवक ने चाकू से किए ताबड़तोड़ वार, चीखें सुन दहल गया पूरा गांव इतनी सी थी बात

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के अमेठी में बृहस्पतिवार को रामराज ने खेत में काम कर रही भाभी रामा और भतीजे आकाश पर चाकू से हमला करके हत्या कर दी। घटना से घर में चीख पुकार मच गई। वारदात को अंजाम देकर आरोपी भाग निकला। सूचना पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली है। घटना मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के रुदौली गांव की है। सुबह रामा (45) अपने बेटे आकाश (18) के साथ खेत में काम कर रही थी। इसी समय देवर रामराज चाकू लेकर पहुंचा। वह जमीन को लेकर उनसे रंजिश मानता था। उसने चाकू से भाभी और भतीजे पर हमला कर दिया। दोनों लहूलुहान होकर वहीं गिर गए। चीख पुकार सुनकर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। ग्रामीण दोनों को लेकर सीएचसी, मुसाफिरखाना पहुंचे। वहां पर जांच के बाद डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। उधर वारदात को अंजाम देकर आरोपी भाग निकला। सूचना पर पहुंचे कोतवाली प्रभारी विवेक सिंह ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। फोरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य संकलित किए हैं। सीओ अतुल कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है। संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

स्वर्गीय राजीव गांधी की 81वीं जयंती पर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित हुआ निशुल्क चिकित्सा एवं रक्तदान शिविर

लखनऊ, (संवाददाता)। आधुनिक भारत के प्रणेता, पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की 81वीं जयंती के अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर आज बड़े पैमाने पर निशुल्क चिकित्सा शिविर, रक्तदान शिविर और संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व सांसद पी.एल. पुनिया और पूर्व विधायक श्याम किशोर शुक्ला ने कालीदास चौराहा एवं राजीव चौक मॉल एवेन्यू स्थित स्वर्गीय राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।संगोष्ठी में पूर्व सांसद पी.एल. पुनिया ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी ने राष्ट्रीय एकता, सांप्रदायिक सौहार्द और शांतिपूर्ण सहअस्तित्व पर विशेष जोर दिया था। यही कारण है कि उनकी जयंती को पूरे देश में "सद्भावना दिवस" के रूप में मनाया जाता है। संगोष्ठी को पूर्व विधायक सतीश अजमानी, श्याम किशोर शुक्ला, पूर्व सदस्य विधान परिषद दीपक सिंह, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ओंकारनाथ सिंह, विजय बहादुर, अनीस अंसारी और अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया। संचालन वरिष्ठ नेता बिजेंद्र सिंह ने किया।सद्भावना दिवस को सार्थक बनाने के लिए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के चिकित्सा प्रकोष्ठ द्वारा चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। लगभग 25 विशेषज्ञ डॉक्टरों ने करीब 1000 गरीब, मजदूर, किसान, महिला, बच्चे और जरूरतमंदों को निशुल्क परामर्श दिया। शिविर में मरीजों का परीक्षण किया गया और आवश्यक दवाइयां भी वितरित की गई।रक्तदान शिविर में पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने भी बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। कुल 103 लोगों ने रक्तदान किया। इस मौके पर डॉ. आजाद बेग, डॉ. अमित कुमार राय, डॉ. श्रवण कुमार गुप्ता, मेंहदी हसन, अनामिका यादव, शिव बहादुर सिंह, कौशलेंद्र सिंह सहित अन्य प्रमुख कार्यकर्ता शामिल रहे।चिकित्सा शिविर के समापन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने सभी चिकित्सकों और पैरा मेडिकल कर्मचारियों को शॉल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी ने युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी का अवसर दिया और उनकी सोच के अनुसार देश का युवा जागरूक और ऊर्जा से भरपूर होना चाहिए।

सरकारी और अर्धसरकारी कर्मचारियों को बनाया गया अधिक दक्ष

लखनऊ, (संवाददाता)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशन में दीनदयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ में विभिन्न सरकारी और अर्धसरकारी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए बहुआयामी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य प्रतिभागियों को रचनात्मक कार्यों और नवीन तकनीकों में दक्ष बनाना है।संस्थान के महानिदेशक एल. वेंकटेश्वर लू के संरक्षण और प्र. अपर निदेशक सुबोध दीक्षित के मार्गदर्शन में आयोजित इन प्रशिक्षणों में 18 से 22 अगस्त तक भारत सरकार के लगभग 18 मंत्रालयों के 77 सहायक अनुभाग अधिकारियों के लिए विलेज अटैचमेंट कार्यक्रम विषयक पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शामिल रहा। इसके अलावा ग्रामीण आजीविका मिशन कार्यक्रम के तहत लोक–ओ–एस पर ऑनलाइन ट्रांजैक्शन, राज्य स्तरीय।

रबी 2025-26 की तैयारियों के लिए कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की बैठक

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में आज कृषि भवन सभागार में रबी 2025–26 की तैयारियों के लिए विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी रबी सत्र में बीज वितरण, क्षेत्राच्छादन के लक्ष्य और उर्वरकों की उपलब्धता पर विशेष चर्चा हुई।बैठक में तय किया गया कि इस वर्ष रबी सत्र में कुल 141 लाख हेक्टेयर क्षेत्राच्छादन का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें 2.27 लाख हेक्टेयर क्षेत्र गन्ने के साथ सहफसली खेती हेतु निर्धारित किया गया है। किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने विशेष कदम उठाए हैं। इस सत्र में 10 लाख कुन्तल गेहूँ बीज अनुदान पर उपलब्ध कराए जाएंगे। गन्ना उत्पादक किसानों को शीतकालीन गन्ने के साथ सहफसली खेती हेतु 7,080 कुन्तल राई और सरसों तथा 12,500 कुन्तल मसूर के बीज निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त प्रदेश सरकार द्वारा 6.50 लाख दलहनी और तिलहनी बीज मिनीकिट तथा भारत सरकार के सहयोग से 5.41 लाख दलहनी बीज मिनीकिट भी वितरित किए जाएंगे।कृषि मंत्री ने कहा कि लाभार्थियों के चयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ई–लॉटरी प्रणाली अपनाई जाएगी। इसके तहत वास्तविक किसानों को ही लाभ मिल सकेगा। किसानों को पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा, और तोरिया बीज मिनीकिट के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2025 तय की गई है। इसके बाद 1 सितंबर से अन्य फसलों के बीज मिनीकिट के पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू होगी।बैठक में उर्वरकों की उपलब्धता पर भी विस्तार से चर्चा हुई। वर्ष 2016 में खरीफ फसलों के लिए 91.45 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बुवाई हुई थी, जो 2024 में 105.93 लाख हेक्टेयर हो गई। इसी प्रकार रबी, खरीफ और गन्ना मिलाकर कुल क्षेत्रफल 225.87 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 274.22 लाख हेक्टेयर तक पहुँच गया। यूरिया की खपत में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2016 खरीफ में 23 लाख मीट्रिक टन यूरिया की खपत हुई थी, जो 2024 में बढ़कर 39 लाख मीट्रिक टन हो गई। इस वर्ष 19 अगस्त तक खरीफ 2025 में 32.07 लाख मीट्रिक टन यूरिया किसानों द्वारा खरीदी जा चुकी है।कृषि मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की प्राथमिकता किसानों को समय पर खाद और बीज उपलब्ध कराना है। इस दिशा में सहकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध हैं। प्रतिदिन 10–12 रैक यूरिया और 5–6 रैक डीएपी प्रदेश में भेजे जा रहे हैं। यूरिया का वास्तविक बाजार मूल्य 2,174 रुपये प्रति बोरी होने के बावजूद अनुदान के बाद किसानों को मात्र 266 रुपये में उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी प्रकार डीएपी, एनपीके, एमओपी और एसएसपी पर भी भारी अनुदान दिया जा रहा है।प्रदेश सरकार ने उर्वरकों की कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए कठोर कदम उठाए हैं। अब तक 12,653 छापे डाले गए, 3,385 उर्वरक नमूनों की जांच की गई, 1,047 नोटिस जारी किए गए और कई फुटकर तथा थोक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित या निरस्त किए गए। 93 एफआईआर दर्ज की गई हैं और महराजगंज एवं सिद्धार्थनगर में अत्यधिक यूरिया खरीद के मामलों की जांच जारी है।कृषि मंत्री ने स्पष्ट किया कि किसी भी अधिकारी या कर्मचारी की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसी कड़ी में श्रावस्ती के जिला कृषि अधिकारी अशोक प्रसाद मिश्र को निलंबित किया गया। इससे पूर्व भी सीतापुर और बलरामपुर के जिला कृषि अधिकारियों को लापरवाही के कारण निलंबित किया जा चुका है।मंत्री ने किसानों से अपील की कि वे किसी भी कठिनाई की स्थिति में तुरंत अपने जिला कृषि अधिकारी से संपर्क करें और सुनिश्चित करें कि समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज और उर्वरक उन्हें मिल सके।

श्रमजीवी एक्सप्रेस के पैंट्री कार की रसोई गंदी मिली

लखनऊ, (संवाददाता)। श्रमजीवी एक्सप्रेस की पैंट्रीकार में गंदगी मिलने पर सीनियर डीसीएम ने नाराजगी जताई है। पैंट्रीकार में खानपान के सामान को सफाई के साथ नहीं रखा गया था। पैंट्रीकार संचालक पर जुर्माना लगाया जाएगा। मामला उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल का है। सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बुधवार को राजगीर से नई दिल्ली जा रही श्रमजीवी एक्सप्रेस के चारबाग स्टेशन पर पहुंचने के बाद औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान पाया कि पानी की बोतलों का रखरखाव सही नहीं है। कुछ बोतलें एक कोने में फर्श पर रखी हुई है। खाने का सामान गंदगी के बीच रखा हुआ है। रसोई की स्थिति भी ठीक नहीं मिली। सफाई नहीं मिलने पर सीनियर डीसीएम ने नाराजगी जताई। पैंट्रीकार में मौजूद स्टाफ को खानपान के सामानों को सही तरीके से रखने व सफाई बनाए।

मात्र 20 रुपये के प्रीमियम पर किसी भी दुर्घटना की स्थिति में 2 लाख रुपये तक का लाभ दिया जाता : जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । भारत सरकार के वित्तीय सेवाएँ विभाग द्वारा 01 जुलाई 2025 से 30 सितम्बर 2025 तक "वित्तीय समावेशन संतृप्तिकरण अभियान" के अंतर्गत ग्रामीण स्व रोजगार प्रशिक्षण संस्थान सिद्दीकपुर में अग्रणी बैंक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र सहित अन्य द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि प्रतिवर्ष मात्र 20 रुपये के प्रीमियम पर किसी भी दुर्घटना की स्थिति में 2 लाख रुपये तक का लाभ दिया जाता है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि मात्र 436 रुपये वार्षिक प्रीमियम पर किसी भी दुर्घटना में स्वाभाविक मृत्यु की स्थिति में 2 लाख रुपये तक के लाभ का प्राविधान है। शासन की यह दोनो महत्वकांक्षी योजनाएं सुरक्षा कवच है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि सभी लोग इन योजनाओं से आच्छादित हो, उन्होंने सभी से अपील किया कि इन योजनाओं का लाभ लेने हेतु बीमा अवश्य कराये। उन्होंने बताया कि जनपद के किसानों को किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिया जा रहा है। जिलाधिकारी ने जनपद की समस्त बैंक शाखाओं को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दियें हैं कि प्रत्येक पात्र लाभार्थी को प्रधानमंत्री जनधन योजना, रुपे डेबिट कार्ड, सामाजिक सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना तथा खाताओं में नामांकन, री–केवाईसी अन्य वित्तीय उत्पादों का लाभ समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जाए। विभिन्न बैंकों और वित्तीय संस्थानों की सक्रिय भागीदारी के साथ यह कार्यक्रम देशभर में चलाया जा रहा है। जनपद के अग्रणी बैंक यूनियन बैंक के अंचल प्रमुख धीरेन्द्र जैन ने कहा कि जिले में यूनियन बैंक की सभी 103 बैंक शाखाओं एवं 880 ग्राहक सेवा केंद्रों द्वारा लक्षित परिवारोंध्यक्तियों की पहचान कर उन्हें योजनाओं से जोड़ने का निर्देश दिया गया है। इस पहल से न केवल आमजन को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा जायेगा, बल्कि उन्हें सरकारी योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ भी समय पर प्राप्त होगा। यूनियन बैंक के क्षेत्र प्रमुख संतोष कुमार ने बताया कि यूनियन बैंक का लक्ष्य है कि इस वित्तीय समावेशन संतृप्तिकरण कार्यक्रम के माध्यम से इस जनपद में कोई भी पात्र व्यक्ति बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं से वंचित नहीं रहेगा। अग्रणी जिला प्रबंधक अभय श्रीवास्तव ने वित्तीय समावेशन संतृप्तिकरण अभियान को जनपद में प्रत्येक बैंक द्वारा सहभागिता कराते हुए इसे सफल बनायेगे। इस कार्यक्रम में वित्तीय समावेशन संतृप्तिकरण अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बैंक शाखा प्रबन्धको, बैंक मित्रों विकास कुमार, मुन्ना कुमार, विपिन कुमार सिंह, प्रदीप, बैंक सखियों इन्द्रावती पटेल, बिन्दु कन्नौजिया, मीरा देवी, वित्तीय साक्षरता प्रदान करने वाली वित्तीय बैंक सलाहकारों सहित अन्य को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया एवं सामाजिक सुरक्षा बीमा से अच्छादित मृतक के आश्रित मो0 सलीम को चेक प्रदान किया गया। कार्यक्रम में आर सेटी निदेशक उपेन्द्र कुमार, वित्तीय सलाहकार कमलेश सिंह यादव, अग्रणी जिला प्रबंधक कार्यालय से गौरव कुमार सहित अन्य लोगो ने प्रतिभाग किया गया।

कमिश्नर राजेश कुमार ने किया जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण, खामिया मिलने पर लगाई क्लास

अयोध्या। गुरुवार को मंडलायुक्त राजेश कुमार ने जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया। अनूप निरीक्षण के दौरान जिला चिकित्सालय में मंडल आयुक्त को कई कमियां मिले जिनको लेकर उन्होंने प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक को जमकर क्लास लगाई।निरीक्षण के समय चिकित्सालय के गेट पर निर्माण सामग्री व गंदगी पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिये।उन्होंने अग्निशमन यंत्रों को चेक करते हुए पाया कि एक यंत्र की एक्सपायरी तिथि बीत चुकी है, जिसको बदलने तथा सभी अग्निशमन यंत्रों को चेक कराने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को दिये गये। मण्डलायुक्त ने निरीक्षण के दौरान मरीजों एवं उनके परिजनों से बात करते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली और चिकित्सकों को निर्देशित किया।मरीजों को अस्पताल में उपलब्ध दवाइयां ही लिखी जाय तथा जो दवाइयां उपलब्ध नहीं है उनको प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्रों से क्रय किये जाने हेतु प्रोत्साहित किया जाय।निरीक्षण के दौरान ओ0पी0डी0 के विभिन्न कक्षों तथा परिसर में स्थापित ब्लड बैंक,फिजियोथैरेपी सेंटर, आई0सी0यू0 वार्ड,पेडियाट्रिक वार्ड सहित अन्य स्थानों का निरीक्षण किया गया और साफ सफाई की कमी पाए जाने पर सफाई कान्टैक्टर के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये।उन्होंने निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिये कि परिसर में मौजूद विभिन्न निष्प्रयोज्य सामानों की नीलामी करायी जाय तथा परिसर के नाली निर्माण सहित अन्य मरम्मत कार्यो के लिए भेजे गये प्रस्ताव की जानकारी करते हुये जल्द पूर्ण कराने के लिए कहा गया।उन्होंने निरीक्षण के दौरान परिसर में बनाये गये रैन बसेरे पर ताला लगा पाये जाने पर नाराजगी जतायी और कहा कि इसको प्रयोग में लाया जाय तथा आक्सीजन प्लांट का भी पूर्ण उपयोग किया जाना सुनिश्चित किया जाय।इसके साथ ही उन्होंने चिकित्सालय में भर्ती मरीजों के लिए पकाये जा रहे भोजन कक्ष को भी देखते हुये मरीजों को वितरित किये जा रहे भोजन एवं दूध की जानकारी ली गयी और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया कि खाने में पौष्टिक आहार की मात्रा बढ़ायी जाय एवं मीनू के अनुसार खाना बनवाकर वितरित कराया जाय।उन्होंने परिसर में वाहनों की पार्किंग की मनमानी व्यवस्था को देखते हुये उसको सुव्यवस्थित किये जाने के निर्देश दिये गये।निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला चिकित्सालय सर्वेश कुमार ने विभिन्न पटलों के विषय में जानकारी मण्डलायुक्त चिकित्सकों की कमी के लिए शासन को पत्र भेजने के निर्देश दिये।

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी भी विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारी मे जुटी

अयोध्या। राजा भैया की जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी भी आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर जुट गई है।इसी कड़ी में गुरुवार को सर्किट हाउस में पार्टी के वरिष्ठ नेता अक्षय प्रताप सिंह गोपाल पहुंच कर मंडलीय समीक्षा बैठक किया।इस दौरान उन्होंने पत्रकार वार्ता भी किया। पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि फिलहाल हमारी पार्टी 2027 विधानसभा चुनाव में किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं करेगी।कहा हम खुद लड़ेंगे और सरकार बनाएंगे।सरकार नहीं बनती है तो उस समय देखा जाएगा किसके साथ खड़ा होना है।राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोप पर बोले अक्षय प्रताप सिंह, कहा कि इसकी समीक्षा होनी चाहिए, पहले भी वोट करते रहे हैं, क्या जब राहुल गांधी की सरकार थी तो क्या वोट नहीं कटते

थे। सूप बोले तो बोले चलनी भी बोले जिसके 72 छेद। उन्होंने बताया कि सभी चुनाव की वोटर लिस्ट एक होनी चाहिए। अभी ग्राम प्रधान की वोटर लिस्ट अलग है विधानसभा की अलग है लोकसभा की अलग है, सभी चुनाव की वोटर लिस्ट एक होनी चाहिए तब गड़बड़ नहीं होगी।दिल्ली के मस्जिद में डिंपल यादव के अपमान पर अक्षय प्रताप सिंह ने कहा कि जब हम शादी करते हैं तो कसम खाते हैं की पत्नी की रक्षा करेंगे लेकिन वोट के लिए चुप रहना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।जब उनकी पत्नी का अपमान हुआ तो उनको बोलना चाहिए था।जब पति ही नहीं बोलेगा तो कौन बोलेगा,अखिलेश यादव इसलिए नहीं बोले कि वे एक जाति एक धर्म की राजनीति कर रहे हैं।

'जिलाधिकारी की अध्यक्षता मे हुई आयुष समिति की बैठक'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' गुरुवार को स्वामी विवेकानन्द सभागार में आहूत जिला आयुष समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अनुनय झा ने भदैचा कुतवापुर में निर्माणाधीन 50 शैय्या एकीकृत आयुष चिकित्सालय के सम्बन्ध में क्षेत्रीय आयुर्वेदिकध्यूनानी अधिकारी आशा रावत को निर्देश दिये कि चिकित्सालय के निर्माण पर नजर रखे और समस्त निर्माण कार्य मानक के अनुसार गुणवत्ता परक एवं समय पर पूर्ण करायें और जिन चिकित्सालयों का निर्माण पूरा हो गया है उनको शीघ्र हैण्ड ओवर कराते हुए चिकित्सीय सेवाएं प्रारम्भ करायें। उन्होंने कहा कि आयुर्वेदिक, यूनानी एवं होम्योपैथिक चिकित्सालयों में आने वाले अधिक से अधिक मरीजों की जांच कराये और दवायें उपलब्ध करायी जाये

और दवाओं की उपलब्धता बनाये रखें। इस अवसर पर क्षेत्रीय आयुर्वेदिकध्यूनानी अधिकारी आशा रावत ने जिलाधिकारी को बताया कि सभी चिकित्सालयों में औषधियां उपलब्ध है और सभी आयुष्मान आरोग्य मन्दिरों में विद्युत कनेक्शन हो गया है तथा 16 होम्योपैथिक आयुष्मान आरोग्य मन्दिर पर आशा, ए0 एन0एम0 का अबद्वीकरण किया जा चुका है और शेष 05 सेन्टरों पर आबद्वीकरण होना है।

देवकाली क्षेत्र में एक के बाद एक तीन ट्रांसफार्मर के जलने से मचा हड़कंप

अयोध्या।कोतवाली नगर क्षेत्र के सबसे व्यस्तम इलाका देवकाली ओवरब्रिज के समीप गुरुवार की दोपहर बड़ा हादसा उस समय होते–होते टल गया। जब एक के बाद एक तीन ट्रांसफार्मर धू–धू करके जलने लगे जिसके चलते आसपास के इलाकों में हड़कंप मच गया।स्थानीय लोगो के मुताबिक देवकाली पुलिस चौकी क्षेत्र में हनुमान मंदिर ककरहवा देवकाली निकट बैंक ऑफ इंडिया देवकाली बाईपास के पास ट्रांसफार्मर जो कि दो पोलों के बीच था।शार्ट सर्किट के चलते उसे ट्रांसफार्मर में आग लग गई जिसके चलते वह ट्रांसफार्मर नीचे चबूतरे पर रखें दोनों अन्य ट्रांसफार्मर पर जाकर गिरा इस तरह से तीनों ट्रांसफार्मर में भयानक आग लग गई।इसकी सूचना स्थानीय लोगों ने स्थानीय चौकी के साथ–साथ फायर कर्मियों को दिया।जिसके चलते फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया।वही ट्रांसफार्मर के पास खड़ी अशोक तिवारी पुत्र श्यामंता प्रसाद तिवारी निवासी रेवना थाना इनायत नगर जनपद अयोध्या की बाइक इस आंख की चपेट में जलने की सूचना है।लोगों ने बताया कि ओवरलोड के चलते ट्रांसफॉर्मरों में धमाका हुआ और अचानक आग की लपटें उठीं।फिलहाल इस अग्निकांड से सड़क पर चल रहे वाहन घंटो जाम में फंसे रहे।गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन यदि अग्निशमन विभाग द्वारा समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता तो आसपास की दुकानों और वाहनों तक आग फैल सकती थी।

जन्मदिन बना सेवा दिन, कई स्थानों पर स्वास्थ्य परीक्षण, वृक्षारोपण, छात्र सम्मान हुआ

देश की उपासना
ब्यूरो धनन्जय विश्वकर्मा।

मुंबई। भारी बारिश के बावजूद राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश विश्वकर्मा का 18 अगस्त को जन्मदिन पूरे महाराष्ट्र में सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। इस दौरान कई जगहों पर लोगों को आयुष्मान भारत कार्ड, आभा कार्ड, वोटर आईडी, पैन कार्ड, और ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने और उनके फायदे बताए गए। इसी कड़ी में इंद्रा नगर के शंकर मंदिर में एक खास कार्यक्रम हुआ। यहां दिनेश विश्वकर्मा का जन्मदिन मनाते हुए केक काटा गया और सैकड़ों लोगों ने मुफ्त डायबिटीज जांच करवाई। इसके अलावा जिन बच्चों ने अपनी कक्षा में सबसे ज्यादा नंबर लाए थे, उन्हें सर्टिफिकेट देकर सम्मानित भी किया गया। तेज बारिश के बावजूद, लोग घरों से निकलकर इस कार्यक्रम में शामिल हुए और दिनेश विश्वकर्मा को जन्मदिन की बधाई दी। इस मौके पर बोरीवली के घंटा पान मन्दिर के मालिक गिनीज बुक ऑफ वल्ड रिकॉर्ड होल्डर विनोद तिवारी ने दिनेश विश्वकर्मा के जन्मदिन के अवसर पर दिनेश विश्वकर्मा के साथ वृक्षारोपण कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। साथ ही गोरेगांव डिंडोसी में एकार्थी फाउंडेशन के संरक्षक राम कुमार पाल के रामकुमार पाल 64 फाउंडेशन कार्यालय पर उनके साथ केक काट कर हार्दिक शुभकामनाएं दी। श्री विश्वकर्मा चौरिटेबल ट्रस्ट दहिसर के अध्यक्ष रामा विश्वकर्मा ने कहा कि मन में हो सेवा भाव तो क्या करेगा आंधी और तूफान, इस भाव से अनेकों जगह जन जागरूकता अभियान चलाकर समाज को जगाने का कार्य एकार्थी फाउंडेशन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आर.के. विश्वकर्मा (राष्ट्रीय सचिव), राजमणि विश्वकर्मा (सलाहकार), पत्रकार धनंजय विश्वकर्मा, देवेंद्र तिवारी, पत्रकार रितेश पांडेय और डिंडोसी विधानसभा के अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा सहित शरद यादव, राजेश यादव, मनोज सिंह, दिलीप पाल और अमित पाल जैसे कई लोग मौजूद रहे। राष्ट्रीय सचिव आर.के. विश्वकर्मा ने सभी से अनुरोध किया कि वे समय–समय पर अपनी स्वास्थ्य जांच कराते रहें ताकि किसी भी बीमारी का समय पर पता लगाया जा सके और इलाज हो सके। विश्वकर्मा चौरिटेबल संस्था वसई के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार विश्वकर्मा, सचिव अखिलेश विश्वकर्मा, रवि विश्वकर्मा, और इस शुभ अवसर पर बधाई देने पहुंचे उद्योगपति राजकुमार विश्वकर्मा, मनोज विश्वकर्मा, विजय विश्वकर्मा, अरविन्द विश्वकर्मा, सुनील विश्वकर्मा, किसान प्रजापति, अजय विश्वकर्मा, धर्मदेव, बृजेश आदि लोग मौजूद रहें।

जन्मदिन बना सेवा दिवस : भारी बारिश में भी लोगों ने कराया मुफ्त स्वास्थ्य परीक्षण

देश की उपासना
ब्यूरो धनन्जय विश्वकर्मा।

मुंबई। मुंबई में भारी बारिश के बावजूद, राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश विश्वकर्मा का 18 अगस्त को जन्मदिन पूरे महाराष्ट्र में सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। इस दौरान, कई जगहों पर लोगों को आयुष्मान भारत कार्ड, आभा कार्ड, वोटर आईडी, पैन कार्ड, और ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने और उनके फायदे समझने में मदद की गई।

इसी कड़ी में, इंद्रा नगर के शंकर मंदिर में एक खास कार्यक्रम हुआ। यहां दिनेश विश्वकर्मा का जन्मदिन मनाते हुए केक काटा गया और सैकड़ों लोगों ने मुफ्त डायबिटीज जांच करवाई। इसके अलावा, जिन बच्चों ने अपनी कक्षा में सबसे ज्यादा नंबर लाए थे, उन्हें सर्टिफिकेट देकर सम्मानित भी किया गया।

तेज बारिश के बावजूद, लोग घरों से निकलकर इस कार्यक्रम में शामिल हुए और दिनेश विश्वकर्मा को जन्मदिन की बधाई दी। इस मौके पर, गिनीज बुक रिकॉर्ड होल्डर विनोद तिवारी ने दिनेश विश्वकर्मा के जन्मदिन पर एक नीम का पौधा लगाकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। साथ ही, एकार्थी फाउंडेशन के संरक्षक रामकुमार पाल ने भी उनके साथ केक काटा। कार्यक्रम में आर.के. विश्वकर्मा (राष्ट्रीय सचिव), राजमणि विश्वकर्मा (सलाहकार), पत्रकार धनंजय विश्वकर्मा, देवेंद्र तिवारी, पत्रकार रितेश पांडेय और डिंडोसी विधानसभा के अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा सहित शरद यादव, राजेश यादव, मनोज सिंह, दिलीप पाल और अमित पाल जैसे कई लोग मौजूद रहे। राष्ट्रीय सचिव आर.के. विश्वकर्मा ने सभी से अनुरोध किया कि वे समय–समय पर अपनी स्वास्थ्य जांच कराते रहें ताकि किसी भी बीमारी का समय पर पता लगाया जा सके और इलाज हो सके।

'प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर संस्थागत प्रसव की सुविधा का विस्तार करायें–अनुनय झा'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' विगत 20 अगस्त 2025 को देर सायं स्वामी विवेकानन्द सभागार में आहूत जिला स्वास्थ्य समिति शासी निकाय एवं जिला टास्क फोर्स प्रतिरक्षण बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने सभी एमओआईसी को निर्देश दिए कि नए डाक्टरों को तत्काल जॉइन कराना सुनिश्चित करें तथा ई संजीवनी सेवा को अधिक प्रभावी बनाते हुए रोगी कल्याण समिति के संसाधनों का प्रयोग मरीजों की सुविधाओं में सुधार करें और संस्थागत प्रसव की संख्या में वृद्धि करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर संस्थागत प्रसव की सुविधा का विस्तार करायें और ब्लाक क्षेत्र के निवासी सभी 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाने में तेजी लाएं एवं बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र समय पर जारी करें। उन्होंने कहा कि बाढ़ग्रस्त ब्लाक के एमओआईसी अपने क्षेत्र के बाढ़ ग्रस्त गांवों में कैम्प लगाकर दवाओं आदि का वितरण करायें तथा प्रसव वाली महिलाओं के लिए एम्बुलेंस व्यवस्था के साथ सभी सुविधायें उपलब्ध करायें। उन्होंने कहा कि एचआरपी के मामलों में ई रूपी बाउचर का शत प्रतिशत जेनरेशन करे और इसके रिडम्पशन को सुनिश्चित किया जाये और एचआरपी के चिन्हीकरण के उपरांत सभी आवश्यक टेस्ट कराये जाएं। ई संजीवनी के माध्यम से परिवार को संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित किया जाये तथा संस्थागत प्रसव को सुनिश्चित किया जाये। बच्चे को यदि आवश्यक हो तो एनआरसी, पीकू, एसएमसीयू केजीएमयू रिफर किया जाये। जननी सुरक्षा योजना के भुगतान को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, प्रभारी सीएमएस एके सचान व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे

ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025: युवाओं को लत और ठगी से बचाने की बड़ी पहल - डॉ. दिग्विजय सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के साइबर क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने कहा कि भारत सरकार द्वारा लाया गया ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 आमजन के हित में ऐतिहासिक निर्णय बताया है। कानून बनने के बाद उन मोबाइल एप्स और वेबसाइटों पर रोक लगेगी, जो गेम खेलने के नाम पर लोगों को मुनाफा कमाने का लालच देकर ठगी और साइबर अपराध को बढ़ावा देते थे। डॉ. राठौर ने बताया कि ऑनलाइन गेमिंग हमारे देश के युवाओं को बर्बादी की ओर धकेल रहा था। अनुमान के मुताबिक, देश के 45 करोड़ लोगों ने रियल मनी गेमिंग में अब तक लगभग 20 हजार करोड़ रुपये गंवाए हैं। यह धनराशि कुछ

कंपनियों और संगठित गिरोहों के पास पहुंच रही थी। फर्जी एप्स के जरिए बड़े स्तर पर साइबर अपराध भी हो रहे थे, जिन पर अब लगाम लग सकेगी। उन्होंने बताया कि बिल में सरकार केवल उन्हीं गेमिंग एप्स पर रोक लगाएगी, जिनमें वित्तीय लेन–देन शामिल होता है। जबकि मनोरंजन और शैक्षणिक उद्देश्य वाले ई–गेम्स इस दायरे से बाहर रहेंगे। डॉ. राठौर ने कहा कि पैसों का लालच देकर गेमिंग एप्स पर लोग अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई गंवा रहे थे। कभी–कभार पैसा जीतने के बाद वे उसी चक्कर में फंसकर लगातार नुकसान उठाते थे और कंगाल हो जाते थे। ऐसी परिस्थितियों में कई लोगों ने आत्महत्या जैसे कदम भी उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का यह कदम युवाओं और समाज दोनों को सुरक्षित करने की दिशा में एक बड़ा और सार्थक प्रयास है।

'जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में सुनी 82 शिकायतें'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' गुरुवार को कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई में कुल 82 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनके त्वरित निस्तारण के निर्देश जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को दिए। पात्रों का वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन व दिव्यांग पेंशन हेतु मौके पर ही पंजीकरण कराया गया। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि पैमाइश व अंश निर्धारण के प्रकरणों के निस्तारण में देरी न की जाये। भूमि विवाद के स्थायी समाधान के लिए थाकबंदी के प्रकरणों का त्वरित निस्तारण कराया जाये। चकरोड व सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाये। आज जनसुनवाई में दो बच्चों को स्पांन्सरशिप योजना से जोड़ा गया तथा 02 बच्चों को बाल सेवा योजना से आच्छादित कराया गया। जन सुनवाई के दौरान अपर जिलाधिकारी विध्रा प्रियंका सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

चकबंदी में मनमानी का आरोप: डीएम से लगाया न्याय की गुहार

बस्ती, (संवाददाता)। भानपुर तहसील के अमरौली सुमाली निवासी तपानाथ पुत्र बलकेसर ने जिलाधिकारी को पत्र देकर मांग किया है

कि जब तक न्यायालय उप संचालक चकबंदी बस्ती स्तर से मुकदमा निर्णीत नहीं हो जाता तब तक मौके पर विपक्षी चन्द्रकला सिंह को उनके बैनामा शुदा भूमि पर कब्जा न करने दिया जाय और सहायक चकबंदी अधिकारी के आदेश का पालन कराया जाय। डीएम को दिये पत्र में तपानाथ ने कहा है कि वे आराजी नम्बर 1764 के बैनामेदार हैं और खतौनी में उनका नाम दर्ज है। विवादित भूमि 1764 के खातेदार भवानीभीख ने कई लोगों के पक्ष में उक्त भूमि का बैनामा लिखा था। सभी बैनामे के दौरान सड़क के पूरब तरफ संयुक्त चक सहायक चकबन्दी अधिकारी द्वारा किया गया था इससे सभी खातेदारान संतुष्ट थे किन्तु चन्द्रकला सिंह पत्नी विवेक सिंह निवासी भिरिया रितुराज जो सम्पन्न और प्रभावशाली परिवार की महिला हैं ने सहायक चकबंदी अधिकारी द्वारा दिये गये चक के विरूद्ध चकबंदी अधिकारी के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत किया और बिना नोटिस, सम्मन दिये चकबंदी अधिकारी से मिलकर सहायक चकबंदी अधिकारी द्वारा दिये गये चक को नहर के पूरब तरफ दे दिया गया जो अनउपयुक्त भूमि है। इस सम्बन्ध में उप संचालक चकबंदी के समक्ष निगरानी दाखिल किया है जो विचाराधीन है। चन्द्रकला सिंह और उनके परिवार के लोग अधिकारियों पर अनुचित दबाव बनाकर जबरिया कब्जा लेना चाहते हैं। तपानाथ ने बताया कि चकबंदी अधिकारियों ने गाटा संख्या 1764, 1540, 1049 का बटवारा फर्जी तरीके से कर दिया है। इसकी जानकारी होने पर जब काश्तकारों ने आपत्ति करने के साथ नकल मांगा तो मौके पर गये एसीओ ने पूरी फाइल पानी में भिगोकर नष्ट करने का प्रयास किया। ग्रामीणों की सक्रियता से फाइल बच गयी ।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।